माता अन्यपूर्णा आरती हिन्दी पीडीएफ़ 2024

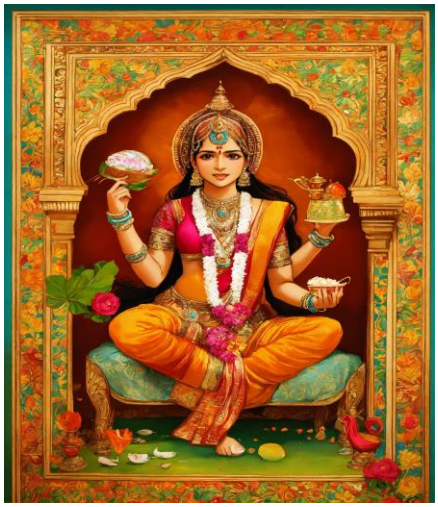

ध्यान मंत्र

ॐ नमः भगवती माहेश्वरी अन्नपूर्ण स्वाहा

बारंबार प्रणाम, मैया बारंबार प्रणाम,

जो नहीं ध्यावे तुम्हें अम्बिके,

कहां उसे विश्राम।

अन्नपूर्णा देवी नाम तिहारो,

लेत होत सब काम।।

प्रलय युगांतर और जन्मांतर,

कालांतर तक नाम।

सुर सुरों की रचना करती,

कहां कृष्ण कहां राम ।।

चूमहि चरण चतुर चतुरानन,

चारु चक्रधर श्याम।

चंद्रचूड़ चंद्रानन चाकर, शोभा लखहि ललाम।।

देवि देव! दयनीय दशा में, दया-दया तब नाम।

त्राहि-त्राहि शरणागत वत्सल,

शरण रूप तब धाम ।।

श्रीं, ह्रीं श्रद्धा श्री ऐ विद्या, श्री क्लीं कमला काम।

कांति भ्रांतिमयी, कांति शांतिमयी,

वर दे तू निष्काम।।